



भारत का राजपत्र The Gazette of India

असाधारण
EXTRAORDINARY

भाग II—खण्ड 3—उप-खण्ड (1)
PART II—Section 3—Sub-section (1)

प्राधिकार से प्रकाशित
PUBLISHED BY AUTHORITY

सं० 73] नई दिल्ली, बुध्दिवार, मार्च 15, 1984/फाल्गुन 25, 1905
No. 73] NEW DELHI, THURSDAY, MARCH 15, 1984/PHALGUNA 25, 1905

इस भाग में भिन्न पृष्ठ संख्या दी जाती है जिससे कि यह अलग संकलन के रूप में
रखा जा सके

Separate paging is given to this Part in order that it may be filed as a separate
compilation

नौवहन और परिवहन मंत्रालय

(पत्तन पक्ष)

अधिमूचना

नई दिल्ली, 15 मार्च, 1984

सा. का. नि. 218(अ) :—केन्द्रीय सरकार महापत्तन न्याम अधिनियम, 1963
(1963 का 38) की धारा 3 की उपधारा (1) के खंड (ग) के उपखंड (2) द्वारा प्रदत्त
शक्तियों का प्रयोग करते हुए भारत सरकार में नौवहन और परिवहन मंत्रालय
(पत्तन पक्ष) की अधिमूचना संख्या सा. का. नि. 25(अ) दिनांक 11 जनवरी,
1984 में निम्नलिखित संशोधन करती है, अर्थात्

उक्त अधिसूचना की निम्न सारणी में —

(क) क्रम सं. 8 के बाद तत्संबंधी प्रविष्टियों के बाद निम्नलिखित क्रम संख्या और प्रविष्टियाँ जोड़ी जायें, अर्थात् —

1	2	3	4
"9.	शिपिंग एजेंट्स एसोसिएशन, मसूगांव	नाविक	1"

(ख) कालम (4) में "कुल" शब्द के सामने संख्या "8" की बजाय संख्या "9" रखी जायें।

[फाईल सं. -पी डब्ल्यू/पीटीबी/28-83]

सुदर्शन वसुदेव, उप सचिव

MINISTRY OF SHIPPING AND TRANSPORT

(Ports Wing)

NOTIFICATION

New Delhi, the 15th March, 1984

G.S.R. 216(E).—In exercise of the powers conferred by sub-clause (ii) of clause (c) of sub-section (1) of section 3 of the Major Port Trusts Act, 1963 (38 of 1963), the Central Government hereby makes the following amendments in the notification of the Government of India in the Ministry of Shipping and Transport (Ports Wing) No. G.S.R. 25(E), dated the 11th January, 1984, namely :—

In the Table below the said notification,—

(a) after Serial Number 8 and the entries relating thereto, the following Serial Number and entries shall be inserted, namely :—

(1)	(2)	(3)	(4)
"9.	Shipping Agents Association, Mormugao.	Shippers	1"

(b) against the word "Total", in column (4), for the figure "8", the figure "9" shall be substituted.

[F. No. PW/PTB-28/83]

S. VASUDEV, Dy. Secy.